Need for CBI inquiry in Swarnrekha Multipurpose Project in Jharkhand ? laid

श्री संजय सेठ (राँची): 1976 में संयुक्त बिहार था। उस समय झारखंड के चांडिल में स्वर्णरेखा बहुउद्देशीय परियोजना लाई गई। उस परियोजना के तहत स्वर्णरेखा नदी पर बड़ा बांध बनाना था, और इससे बिजली उत्पादन, सिंचाई सहित कई उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाना था। परियोजना को आए हुए 45 साल से अधिक हो गए परंतु अब तक यह परियोजना पूर्ण नहीं हो पाई। 1976 में 150 करोड़ रुपए की लागत से शुरू हुई परियोजना आज 14 हजार करोड रुपए से अधिक लागत की हो चुकी है। बावजूद इसके न तो विस्थापितों को न्याय मिल पाया ना तो यह परियोजना पूर्ण हो पाई। परियोजना के कारण 116 गांव बुरी तरह प्रभावित हुए और इसके 19000 से अधिक परिवार विस्थापित हुए। आज भी जब बरसात का पानी डैम पर बढ़ता है तो इस क्षेत्र के सैकड़ों गांव जलमग्न हो जाते हैं। इस पर अब कुछ ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। अभी तक हुए कार्यों की सीबीआई से जांच कराई जाए ताकि विस्थापितों को न्याय मिल सके। परियोजना पूर्ण हो सके और आम जनता जो डैम को लेकर हमेशा दहशत में रहती है, वह भी सामान्य जीवन जी सके। इस पूरी परियोजना की जांच सीबीआई के माध्यम से कराई जाए।